राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

गोजातीय पशुओं में खुर प्रबंधन

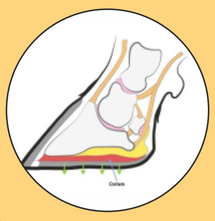

खुर प्रबंधन पशु स्वास्थ्य और उत्पादकता का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

स्वस्थ खुर के कारण मैं अच्छा खाती हूँ, बेहतर प्रजनन करती हूँ और अधिक दूध देती हूँ

अच्छी खुर देखभाल गाय और भैंसों को तनाव एवं दर्द मुक्त और सक्रिय रखता है।

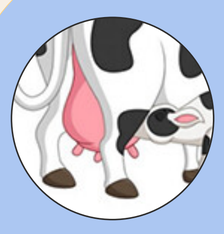

खुर की समस्याओं से थनैला और गर्भाशयशोथ जैसी बीमारियाँ बढ़ जाती हैं।

दुधारू पशुओं के खुरों की जाँच करवानी चाहिए और ज़रूरत पड़ने पर हर 4 से 6 महीने में उनकी कटाई/छंटाइ करवानी चाहिए।

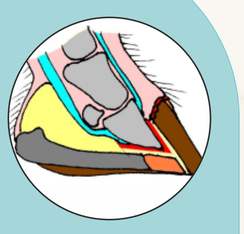

इन संकेतो पर ध्यान दें

लंगड़ाना या अकड़न

दबाव से होने वाले घाव

खुर में दरारें, अतिवृद्धि या चोटें

खुर के आसपास सूजन या दुर्गंध

चलते समय असमान भार स्थानांतरण

इन सब के लिए खुर प्रबंधन महत्वपूर्ण है

- पर्याप्त आराम
- उचित चाल
- ज्यादा दूध उत्पादन
- लंबी उम्र

पशु चिकित्सक से कब परामर्श करें?

- चलने में कठिनाई
- खुरों का बड़ा होना या उनका आकार बदलना
- खुरों मे दर्द या लंगड़ापन
- खुरों से दुर्गंध आना

खुरों की अच्छी देखभाल न करने से

लंगड़ापन और दर्द	दूध उत्पादन में कमी
चारा खाने में कमी	प्रजनन संबंधी समस्याएँ
बीमारियों का ज़्यादा जोखिम	जीवनकाल में कमी

ज़्यादा आर्थिक बोझ

खुर प्रबंधन के लिए जाँच सूची

खुरों का नियमित निरीक्षण

शेड की उचित सफ़ाई

लंगड़ापन की निगरानी

नियमित रूप से खुर की सफाई (5% कॉपर सल्फेट घोल)

उचित पोषण

उचित फ़र्श

चलने के लिए जगह

खुर प्रबंधन अभी शुरू करें!